· प्रजातन्त्र में राजनीतिक दलों के कार्य (functions) D.I.H - chapter - 08
D.I.S - chapter - 08

(i) दल राजनीतिक प्रक्रिया को संगठित करते है, सरल बनाते है, तथा कभी-कभी विकेन्द्रित होने वाले प्रशासनिक ढ़ाँचे में संगति स्थापित करते हैं। उदाहरण के लिए, अमेरिका का डेमोक्रेटिक दल दक्षिण के रूढ़िवादियों तथा उत्तर के उदारवादियों को समीप लाने या मिलाने का कार्य करता है।

(ii) चुनाव का संचालन - वर्तमान समय में अत्यधिक जनसंख्या एवं वयस्क मताधिकार के प्रचलन के कारण स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ना लगभग असम्भव हो गया है। पुनः राजनीतिक दल अपने उम्मीदवार को खड़ा करते है, उनके पक्ष में प्रचार करते है साथ ही उनके प्रचार के दौरान बहुत बड़ी धनराशि खर्च भी करते है। यदि राजनीतिक दल न हो तो आज के विशाल लोकतन्त्रात्मक राज्यों में निर्वाचन का संचालन लगभग असंभव ही हो जाए।

(iii) राजनीतिक चेतना का प्रसार - राजनीतिक दल जनता को शिक्षित (राजनीतिक शिक्षा) करते है, उन्हें सक्रिय बनाते हैं साथ ही सार्वजनिक क्षेत्र के प्रति रुचि जागृत करते हैं। पुनः राजनीतिक दल विभिन्न प्रचार माध्यमों (टी.वी., रेडियो, समाचार पत्रों, फेसबुक, इत्यादि) से अपने विचारों का प्रचार करते हैं।

(iv) जनता और शासन के बीच सम्बन्ध - उदार-प्रजातांत्रिक व्यवस्था वाले देशों में ही प्रतियोगितापूर्ण दलीय व्यवस्था विद्यमान होती है तथा विभिन्न राजनीतिक दलों में से राजनीतिक भर्ती की जाती है। साथ ही प्रजातन्त्र में जिस दल के हाथ में सत्ता होती है उस दल के सदस्य एवं नेता जनता के मध्य अपने दल के शासन काल के दौरान किये गये कार्यों का प्रचार करते है तथा जनमत को अपने पक्ष में रखने का प्रयत्न करते हैं। वहीं विरोधी दल की भूमिका शासन की कमियों को उजागर कर जनता का मत अपनी ओर समेटना होता हैं।

Avinash

Scanned with CamScanner

(v) विकासशील देशों में जहां अभी राजनीतिक आदतों तथा परम्पराओं का विकास होना है, राजनीतिक दल राजनीतिक आधुनिकीकरण का कार्य करते है।

(vi) निर्वाचन के पश्चात् राजनीतिक दलों के द्वारा ही सरकार का निर्माण किया जाता है। अध्यक्षात्मक शासन व्यवस्था में राष्ट्रपति अपने विचारों से सहमत व्यक्तियों की मन्त्रिपरिषद् का निर्माण कर शासन का संचालन करते है। वहीं संसदात्मक शासन में जिस राजनीतिक दल को व्यवस्थापिका में बहुमत प्राप्त हो, उसके प्रधान द्वारा मन्त्रिपरिषद् का निर्माण करते हुए शासन का संचालन किया जाता है। पुनः मन्त्रिपरिषद् व्यवस्थापिका में अपने राजनीतिक दल के समर्थन के आधार पर ही शासन करती है।

(vii) जहाँ एक ओर बहुसंख्यक राजनीतिक दल शासन सत्ता के संचालन का कार्य करता है वहीं अल्पसंख्यक दल विरोधी दल के रूप में कार्य करते हुए शासन शक्ति को सीमित रखने के लिए प्रयत्नशील रहते है। संगठित विरोधी दल के अभाव में शासक दल अधिनायकवादी रूप अपना सकता है।

(viii) संसदीय शासन में तो सामान्यतया कानून-निर्माण और प्रशासन की शक्ति एक ही राजनीतिक दल के हाथ में होती है और दलीय अनुशासन के कारण कार्यपालिका व्यवस्थापिका से अपनी इच्छानुसार कानूनों का निर्माण करवा सकती है। अध्यक्षात्मक शासन व्यवस्था वाले संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे देशों में, जहां पर कि व्यवस्थापिका और कार्यपालिका शासन के दो बिल्कुल पृथक् अंग होते है, राजनीतिक दलों की सहायता के बिना शासन का भली प्रकार संचालन सम्भव हो ही नहीं सकता।

Avinash

Scanned with CamScanner

प्रजातन्त्र में राजनीतिक दलों के महत्व के सन्दर्भ में भिन्न - भिन्न विद्वानों के विचार →

हूबर (Huber) के शब्दों में - प्रजातन्त्रीय यन्त्र के चालन में राजनीतिक दल तेल के तुल्य हैं।

प्रो. मेरियम (Merriam) के शब्दों में - राजनीतिक दलों का कार्य अधिकारी वर्ग का चुनाव करना, लोकनीति का निर्धारण करना, सरकार को चलाना और उसकी आलोचना करना, राजनीतिक शिक्षण और व्यक्ति एवं सरकार के बीच मध्यस्थता का कार्य करना है।

ब्राइस के शब्दों में - जिस प्रकार ज्वार-भाटा महासागर के जल को ताजा और तरंगित रखता है उसी प्रकार राजनीतिक दल राष्ट्र के दिमाग को ताजा और तरंगित रखते हैं। पुनः लोकमत को प्रतिबिम्बित करने, उसके निर्माण और अभिव्यक्ति में राजनीतिक दलों के द्वारा अत्यधिक महत्वपूर्ण कार्य किया जाता है।

डॉ. फाइनर के शब्दों में - राजनीतिक दलों के बिना निर्वाचक या तो नितान्त असहाय हो जायेंगे या उनके द्वारा असम्भव नीतियों को अपनाकर राजनीतिक यन्त्र को नष्ट कर दिया जाएगा।

ब्राइस के शब्दों में - अनियन्त्रित प्रतिनिधियों द्वारा शासन - व्यवस्था के संचालन का प्रयत्न वैसा ही है जैसा कि कम्पनी के अविरल हिस्सेदारों के मतों द्वारा रेलमार्गों का प्रबन्ध किया जाय अथवा किसी जहाज के यात्रियों के मतों द्वारा जहाज का मार्ग निश्चित किया जाए।

Avinash
Dr. Avinash Kumar
avibasingh@gmail.com

Scanned with CamScanner